फ्रांस लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में

विश्व कप में छाए ये रिकॉर्ड और आंकड़े

- **20** एम्बाप्पे के विश्व कप गोल
- **08** इस टूर्नामेंट में गोल
- **03** बार लगातार फ्रांस सेमीफाइनल में
- **13** -1 फ्रांस बनाम मोरक्को शॉट्स
- **07** हालैंड के विश्व कप गोल
- **02** क्वांसाह का मैच बैन
- **04** बोनू के पेनल्टी सेव

फॉक्सबोरो, (मैसाचुसेट्स) 10 जुलाई स्टार फुटबॉल खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे ने पेनल्टी चूकने के बाद शानदार वापसी करते हुए अपना 20वां विश्व कप गोल दागा और मोरक्को पर 2-0 की जीत के साथ फ्रांस को विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचाने में मदद की.

इस जीत के साथ फ्रांस लगातार तीन बार विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाला तीसरा देश बन गया है. फ्रांस की फुटबॉल टीम के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स की टीम ने गुरुवार को क्वार्टरफाइनल मुकाबले में दूसरे हाफ की शुरुआत में ही छह मिनट के भीतर दो गोल करके मैच पर नियंत्रण हासिल कर लिया और अंतिम चार में स्पेन या बेल्जियम में से किसी एक से भिड़ने का रास्ता साफ कर लिया.

पहले हाफ में एम्बाप्पे की पेनल्टी को यासीन बोनू ने बचा लिया , लेकिन ब्रेक के तुरंत बाद उन्होंने फ्रांस के लिए एक शानदार गोल किया, जो टूर्नामेंट का उनका आठवां गोल था. इसके साथ ही वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी के बराबर आ गए.

इसके तुरंत बाद, उस्मान डेम्बेले ने एक और गोल कर फ्रांस की बढ़त 2-0 कर दी. डेम्बेले के गोल में एम्बाप्पे ने सहयोग किया.

पहले हाफ में फ्रांस का दबदबा रहा और बाउनौ की बदौलत ही हाफ टाइम तक स्कोर बराबर रहा. मोरक्को के गोलकीपर ने पांच मिनट बाद ही डयोट उपामेकानो के हेडर को बचा लिया और फिर यह दिखाने में कामयाब रहे कि पेनल्टी शूटआउट में वह कितने खतरनाक प्रतिद्वंद्वी हैं. 25वें मिनट में, नौसैर मज़राउई ने बॉक्स के अंदर एम्बाप्पे को गिरा दिया, लेकिन जब रियल मैड्रिड के स्ट्राइकर ने पेनल्टी स्पॉट से शॉट लगाया, तो बोउनौ ने सही अनुमान लगाते हुए पेनल्टी को बचा लिया. विश्व कप में पेनल्टी शूटआउट समेत किसी भी गोलकीपर ने बाउनो के चार पेनल्टी सेव से ज्यादा पेनल्टी नहीं बचाई हैं.

इसके तुरंत बाद हाइड्रेशन ब्रेक के दौरान, एम्बाप्पे ने अधिकारियों से शिकायत की कि उन्हें किक मारने से पहले तीन मिनट से अधिक इंतजार कराया गया. बाउनो यह नहीं रूके और उन्होंने डेसिरे डोए के एक शानदार लो शॉट को बचाया और लुकास डिग्ने के 35 गज दूर से किए गए शॉट को क्रॉसबार पर रोककर यह सुनिश्चित किया कि हाफ टाइम तक स्कोर गोल रहित रहा. पहले हाफ में फ्रांस ने 13 शॉट लगाए, जबकि मोरक्को ने सिर्फ एक शॉट लगाया और अंतिम तीसरे हिस्से में प्रभाव डालने के लिए संघर्ष किया. अगर उनकी खेल योजना फ्रांस को गोल करने से रोकने पर आधारित थी, तो दूसरे हाफ की शुरुआत में ही वह विफल हो गई. मोरक्को को कोई भी महत्वपूर्ण मौका बनाने में काफी संघर्ष करना पड़ा, जिसके चलते पहले एम्बाप्पे और फिर डेम्बेले ने उन्हें इसका खामियाजा भुगतने पर मजबूर कर दिया और फ्रांस लगातार तीन विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने वाला तीसरा देश बन गया.

क्वार्टरफाइनल में सारा दबाव इंग्लैंड पर होगा : हालैंड

मियामी. नॉर्वे के स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड ने कहा है कि उनकी टीम के विश्व कप जीतने की संभावना 'वास्तव में बहुत कम' है और शनिवार को होने वाले क्वार्टर फाइनल से पहले सारा दबाव इंग्लैंड पर है. क्वार्टरफाइनल की पूर्व संध्या पर नॉर्वे को पहली बार अंतिम आठ में पहुंचाने के लिए पांच मैचों में सात गोल करने वाले हालैंड ने कहा कि थॉमस ट्यूशेल की टीम को टूर्नामेंट के पसंदीदा टीमों में से एक होने की अपनी स्थिति को स्वीकार करना चाहिए. नॉर्वे के ऐतिहासिक ट्रॉफी जीतने की संभावनाओं का आकलन करने के लिए पूछे जाने पर हालैंड ने कहा, 'अभी भी बहुत कम है. मुझे लगता है कि कुछ टीमें स्पष्ट रूप से प्रबल दावेदार हैं, इंग्लैंड उनमें से एक है. मुझे लगता है कि आप सभी [पत्रकारों] को अंग्रेजी टीम पर पूरा दबाव डालना चाहिए.' लीड्स में जन्मे मैनचेस्टर सिटी के खिलाड़ी ने कहा, 'यह एक खास मैच है, निश्चित रूप से. मुझे लगता है कि मेरे लिए यह बेहद खास है, क्योंकि मैं इंग्लैंड में खेलता हूं और मेरा जन्म भी इंग्लैंड में हुआ है, और आप अपने टीम के साथियों के खिलाफ भी खेलते हैं . यह एक मजेदार खेल है और यह अच्छा होने वाला है.' जब उनसे पूछा गया कि क्या इंग्लैंड के समर्थकों को 'विनम्र रहना चाहिए' - सितंबर 2024 में आर्सेनल के खिलाफ प्रीमियर लीग मैच में फॉरवर्ड द्वारा की गई टिप्पणी के संदर्भ में - तो उन्होंने कहा: 'मुझे लगता है कि सभी को विनम्र रहना चाहिए. उन्हें आगे बढ़ने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त होना चाहिए, आखिर यह इंग्लैंड है. लेकिन जब उनसे पूछा गया कि क्या सारा दबाव थ्री लायंस पर है, तो उन्होंने संक्षिप्त जवाब दिया, 'हां, बिल्कुल.'

इंग्लैंड के क्वांसाह दो वर्ल्ड कप मैचों के लिए सस्पेंड

मियामी. इंग्लैंड नॉर्वे के साथ वर्ल्ड कप क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जेरेल क्वांसाह के बिना खेलेगा, क्योंकि डिफेंडर मेक्सिको पर राउंड-ऑफ-16 में जीत के दौरान रेड कार्ड मिलने के कारण दो मैचों का बैन झेल रहा है. वीएआर रिव्यू में मेक्सिको के डिफेंडर जीसस गैलार्डो पर हाई टैकल की पुष्टि होने के बाद, क्वांसाह को इंग्लैंड की 3-2 की जीत के 54वें मिनट में बाहर भेज दिया गया. इसके बाद फीफा ने उन पर दो मैचों का सस्पेंशन लगा दिया, जिससे मैनेजर थॉमस ट्यूशेल के पास टूर्नामेंट के आखिरी स्टेज के लिए सीमित डिफेंसिव डेप्थ बची. इंग्लैंड शनिवार को मियामी में नॉर्वे का सामना करेगा, जबकि अगर इंग्लैंड आगे बढ़ता है तो क्वांसाह सेमीफाइनल भी नहीं खेल पाएंगे. विंगर बुकायो साका ने गुरुवार को कहा, 'मुझे अभी पता चला कि यह दो मैचों का बैन है, जो हमारे और उसके लिए बहुत निराशाजनक है. लेकिन ऐसा ही है. हम यहां शिकायत करने नहीं आए हैं, हमें बस खुद को ढालना है और ऐसी टीम चुननी है जो नॉर्वे को हराने के लिए तैयार हो.' क्वांसाह की गैरमौजूदगी में इंग्लैंड का नॉर्वे के खिलाफ काम और मुश्किल हो जाएगा, क्योंकि मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड ने वर्ल्ड कप में सात गोल किए हैं.

जीत के लिए रेड डेविल्स को सही खेल खेलना होगा

इंग्लवुड, (कैलिफोर्निया). बेल्जियम के फॉरवर्ड रोमेलु लुकाकू ने कहा कि शुक्रवार को होने वाले विश्व कप क्वार्टर फाइनल में स्पेन को हराने के लिए रेड डेविल्स को 'एकदम सही खेल' खेलना होगा . फ्रांस के साथ सेमीफाइनल में भिड़ंत के लिए सोफी स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले में बेल्जियम को स्पेन को हराना, जिसने टूर्नामेंट में अभी तक एक भी गोल नहीं खाया है. मैच के पूर्व संध्या पर लुकाकू ने कहा, 'कल हमें एकदम सही खेल दिखाना होगा. अगर टूर्नामेंट में आगे बढ़ना है तो यह एक अहम पड़ाव है. स्पेन एक बेहतरीन टीम है. वे 2008 से एक ही तरह का फुटबॉल खेल रहे हैं; उनकी शैली बहुत जानी-पहचानी है. वे तीसरे खिलाड़ी की तलाश में हैं. उनके दोनों तरफ गति है. फेरान टोरेस टीम को मजबूती प्रदान करते हैं, लेकिन हम अच्छी तरह से तैयार हैं, और हमारे पास कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं जो उनके लिए मुश्किलें खड़ी करेंगे. और यही चुनौती है.' इस विश्व कप में लुकाकू का प्रदर्शन शानदार रहा है. उन्होंने याद किया कि अप्रैल में बेल्जियम के मैनेजर रूडी गार्सिया ने कहा था कि लंबे समय से टीम के शुरुआती खिलाड़ी रहे लुकाकू की भूमिका बदल जाएगी, वे एक इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में खेलेंगे. यह एक मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ है. लुकाकू ने इस विश्व कप में तीन गोल किए हैं, जिसमें वह गोल भी शामिल है जिसने बेल्जियम को राउंड ऑफ 32 में सेनेगल के खिलाफ 3-2 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी. उन्होंने कहा, 'मेरे लिए, यह कभी भी व्यक्तिगत उपलब्धि के बारे में नहीं है. यह टीम के बारे में है.

सलीमा होंगी एशियाई खेल 2026 में भारतीय महिला टीम की कप्तान

नयी दिल्ली 10 जुलाई जापान के आइची नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक चलने वाले एशियाई खेल 2026 में सलीमा टेटे को 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम का कप्तान बनाया गया है.

हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को इस बड़े टूर्नामेंट के लिए टीम की घोषणा की. पिछले महीने एफआईएच नेशंस कप का खिताब जीतने वाली सलीमा टेटे को टीम का कप्तान बरकरार रखा गया है. एशियाई खेल 2026 में महिला हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन काकामिगहारा के गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में 18 सितंबर से दो अक्टूबर तक किया जाएगा. यह टूर्नामेंट लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए एशियाई क्वालीफायर के तौर पर भी काम करेगा, जिसमें जीतने वाली टीम को अमेरिका में होने वाले अगले समर गेम्स में जगह मिलेगी.

भारत को हराकर इंग्लैंड को अपराजेय बढ़त

ब्रिस्टल, 10 जुलाई गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद फिल साल्ट (नाबाद 59) और कप्तान हैरी ब्रूक (नाबाद 79) के बेहतरीन अर्धशतकों से इंग्लैंड ने भारत को चौथे टी 20 में गुरूवार को नौ विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अपराजेय बढ़त बना ली.

भारत ने कप्तान श्रेयस अय्यर की नाबाद 80 रन की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी की मदद से सात विकेट पर 158 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया लेकिन इंग्लैंड ने 13.5 ओवर में एक विकेट पर 159 रन बनाकर मुकाबला एकतरफा अंदाज में निपटा दिया. 150 से अधिक रनों के चेज़ में यह इंग्लैंड के द्वारा सबसे तेज़ रन चेज़ है. सीरीज़ भी भारतीय टीम हार चुकी है. कप्तान श्रेयस का अपनी पहली जीत का इंतज़ार जारी रहेगा. 2018-19 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है, जब भारतीय टीम लगातार दो टी 20 सीरीज़ हारी है. इस मैच की बात करें तो भारतीय टीम जब बल्लेबाज़ी कर रही थी तो इंग्लैंड के गेंदबाज़ों ने शॉर्ट और बैक ऑफ़ लेंथ गेंदों से बल्लेबाज़ों को काफ़ी परेशान किया. साथ ही स्पिनरों ने भी कमाल की गेंदबाज़ी की. ऐसा लगा कि पिच काफ़ी धीमी है. लेकिन भारतीय गेंदबाज़ पिच और परिस्थितियों के अनुरूप अच्छी गेंदबाज़ी करने में सफल नहीं हुए. साथ ही सॉल्ट और ब्रूक ने जिस तरह की बल्लेबाज़ी की, वह तारीफ़ योग्य है. साल्ट ने 42 गेंदों की पारी में नौ चौके और एक छक्का लगाया जबकि ब्रूक ने 35 गेंदों में आठ चौके और चार

तेलंगाना सरकार तीरंदाजी प्रीमियर लीग को सपोर्ट करेगी

हैदराबाद. तेलंगाना के स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए, तेलंगाना सरकार ने अपने दूसरे सीज़न से पहले आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) को ऑफिशियली अपना सपोर्ट दिया है. 8 से 18 अक्टूबर तक हैदराबाद में होने वाली दुनिया की इकलौती फ्रेंचाइज-बेस्ड आर्चरी लीग को राज्य के बड़े स्पोर्टिंग इवेंट्स में पहचान मिली है, जिससे हैदराबाद एक लीडिंग स्पोर्टिंग डेस्टिनेशन के तौर पर और मज़बूत हुआ है. लीग को होस्ट करने के अलावा, तेलंगाना की अपनी फ्रेंचाइज, काकतीय नाइट्स भी है, जो भारत के प्रीमियर आर्चरी कॉम्पिटिशन के साथ राज्य के जुड़ाव को और मज़बूत करती है.

गिल ने एशियन डेवलपमेंट टूर में शीर्ष-20 में बनाई जगह

ताइपे, 10 जुलाई भारत के पुखराज सिंह गिल ने एशियन डेवलपमेंट टूर के 'एवर ग्लोरी एडीटी ओपन' में लगातार तीन राउंड में 3-अंडर 69 का स्कोर किया और संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर रहे.

लुधियाना के इस स्टार खिलाड़ी ने, जिन्होंने 2025 में भारत में 'एएम ग्रीन आईजीपीएल ऑर्डर ऑफ़ मेरिट' जीता था, एशियन डेवलपमेंट टूर के ज़रिए एशियन टूर में जगह बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है. 69-69-69 के स्कोर के साथ उनका कुल स्कोर 9-अंडर 204 रहा और वे संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर रहे. एएम ग्रीन आईजीपीएल में 'होनर होम्स गुरुग्राम' के लिए खेलने वाले गिल अब मेरिट लिस्ट में छठे स्थान पर हैं और उनके 2027 एशियन टूर में जगह बनाने की अच्छी संभावना है, क्योंकि टॉप-10 खिलाड़ी ही ऊंचे स्तर के टूर में आगे बढ़ते हैं. पिछले साल एएम ग्रीन आईजीपीएल में गिल के साथी करणदीप कोचर ने भी यही रास्ता अपनाया था.

टी-20 सीरीज

हम विदेशी हालात में उम्मीद से कम प्रदर्शन कर रहे हैं : रयान टेन

क्लीन स्वीप से बचने के लिए उतरेगी इंडिया

साउथम्प्टन, 10 जुलाई ब्रिस्टल में चौथा टी 20 जीतकर सीरीज अपने नाम करने के बाद हैरी ब्रूक ने इंग्लैंड की सीरीज़ को एकदम सही बताया. उन्होंने कहा कि उन्हें सबसे ज़्यादा खुशी इस बात से हुई कि उन्होंने अलग-अलग सरफ़ेस के हिसाब से खुद को ढाल लिया और 'सरफ़ेस से निपटने' के लिए अलग-अलग स्किल्स ढूंढ लीं.

ठीक यहीं पर भारत कम पड़ गया, और इसी वजह से, वे साउथम्प्टन में पांचवें और आखिरी टी20 में छह मैचों की बिना जीत के स्ट्रीक के साथ उतरेंगे, जबकि कुछ महीने पहले उन्होंने घर पर टी20 वर्ल्ड कप जीत का जश्न मनाया था.

धीमी विकेटों पर एक्स्ट्रा बाउंस ने टेक्निकल कमियों को सामने ला दिया है, जबकि लंबी स्क्वायर बाउंड्री ने भारतीय पिचों पर नैचुरली मिलने वाले कुछ स्कोरिंग ऑप्शन को कहीं ज़्यादा रिस्की बना दिया है. छोटे भारतीय ग्राउंड और फ्लैट डेक पर डीप स्क्वायर लेग रोप्स को आराम से पार करने वाले शॉट बार-बार फील्डर्स को मिल जाते हैं, जैसा कि नॉटिंघम में ईशान किशन के साथ हुआ. सीरीज़ की शुरुआत में जोफ्रा आर्चर की यह बात कि वह आईपीएल में 'आसान' पिचों के बाद 'नॉर्मल' क्रिकेट खेलने वापस आ गए हैं, ने बहुतों को हैरान कर दिया था, लेकिन सीरीज़ के दौरान भारत की बैटिंग ने इसे गलत साबित करने के लिए कुछ खास नहीं किया.

> ब्रिस्टल में हार के बाद भारत के असिस्टेंट कोच रयान टेन डेशकाटे ने कहा, 'हमने अडैप्टेबिलिटी के बारे में बहुत बात की है, लेकिन मुझे लगता है कि अब यह उस पॉइंट पर पहुँच गया है जहाँ आपको असल में उस सूटकेस को खोलना होगा.' 'हमने ग्रुप को यह मानने के लिए चैलेंज किया है कि हम विदेशी हालात में उम्मीद से कम प्रदर्शन कर रहे हैं. बड़ा इनाम दो साल बाद ऑस्ट्रेलिया में है. क्या हम ऐसी टीम बनना चाहते हैं जो भारत में 250 रन बनाए और ईडन गार्डन्स में 80 मीटर के छक्के मारकर शानदार दिखे?

एमएलसी से बाहर हुए आर अश्विन

नयी दिल्ली. पूर्व भारतीय ऑफ़ स्पिनर आर अश्विन दाहिने घुटने में चोट के कारण एमएलसी 2026 के बाक़ी मुक़ाबलों से बाहर हो गए हैं. ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ पीटर सिडल को अश्विन की जगह सैन फ़्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स टीम में शामिल किया गया है. सिडल इस टूर्नामेंट में ज़ेवियर बार्टलेट और ऐरन हार्डी के कवर के रूप में खेलते हुए अपनी गेंदबाज़ी से पहले ही प्रभावित कर चुके हैं. अश्विन ने बयान में कहा, 'सीज़न को समय से पहले ख़त्म करना मेरे लिए निराशाजनक है, लेकिन दुर्भाग्य से इस चोट के कारण यही सही फ़ैसला है. सैन फ़्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ बिताया गया यह समय मुझे बेहद अच्छा लगा और अब मैं टूर्नामेंट के बाक़ी मुकाबलों के लिए बाहर से टीम का समर्थन करूंगा.

विंबलडन को मिलेगी नई महिला चैम्पियन

मुचोवा और नोस्कोवा में होगी खिताबी टक्कर

लंदन, 10 जुलाई चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा ने तीन सेटों तक खिंचे बेहद रोमांचक मुकाबले में गुरूवार को अमेरिका की कोको गॉफ को 6-2, 1-6, 7-6 (12-10) से हराकर विंबलडन के महिला वर्ग के खिताबी मुकाबले में पहली बार प्रवेश कर लिया जहाँ उनका सामना अपने ही देश की लिंडा नोस्कोवा से होगा जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में मार्टा कोस्त्युक को 6-4, 6-4 से पराजित किया.

पहले सेमीफाइनल में मुचोवा ने टाई ब्रेक तक खींचे निर्णायक सेट में मैच पॉइंट बचाया और गॉफ़ को शिकस्त दी. टाईब्रेक में पहले मैच पॉइंट का फ़ायदा न उठा पाने के बाद, मुचोवा ने 9-8 के स्कोर पर एक मैच पॉइंट बचाया

> शनिवार को होने वाले फ़ाइनल में उनका मुक़ाबला नंबर 9 सीड लिंडा नोस्कोवा से होगा जिन्होंने नंबर 12 सीड यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक को लगातार सेटों में 6-4,6-4 से हराया. मुकाबले में कोस्त्युक ने पांच एस लगाए जबकि नोस्कोवा एक एस ही लगा सकीं लेकिन महत्वपूर्ण अंकों पर नोस्कोवा ने बेहतर खेल दिखाकर मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया. गॉफ के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में पीछे होने के बावजूद, मुचोवा ने अपनी पिछली भिड़ंत जीती थी, और यह ग्रास कोर्ट पर उनका पहला मुकाबला था.